

अशुद्ध



कवियित्री

वीदुषी

क्लेश

श्रंगार

X

श्रृंगार

रचयिता

कवि = (इ)

विद्वान

श्रृ + (र) = श्रृ

शुद्ध



कवयित्री

विदुषी

क्लेश ताल्प

श्रृंगार ✓

अशुद्ध

शुद्ध

उज्ज्वल
X

हिरण्यकश्यपु

कवित्री

अनुषांगिक - इक

② उज्ज + ज्वल
① उत् + ज्वल
त + ज

अ
इ
उ
ए
ओ
ऋ
ॠ

③ उज्ज्वल

हिरण्यकशिपु

कवित्री

अनुषांगिक

अ
इ
उ
ए
ओ
ऋ
ॠ

इष्म प्रत्यय का निष्पन्न -

यदि किसी शब्द के अन्त में 'इष्म' प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है तो शब्द के आरम्भ में प्रयुक्त वर्ण -

✓ 1. अ का परिवर्तन $\Rightarrow$

आ

 में

✓ 2. इ/ई/ए का परिवर्तन $\Rightarrow$

ऐ

 में

$\Rightarrow$ 3. उ/ऊ/ओ का परिवर्तन -

औ

 में हो जाता है।

① शरीर + इन् = शरीरिन्

अ → आ

रसज + इन् = रसजिन्

रसाग्र + इन् = रसाग्रिन्

रसाह + इन् = रसाहिन्

रसाप + इन् = रसापिन्

रसाय + इन् = रसायिन्

② दिन + इक = दैनिक

नीति + इक = नैतिक

रक + इक = रैकिक

स

इ/ई/र → ऐ

③ उपचार + इत् = औपचारिक

उपनिवेश + इत् = औपनिवेशिक



अशुद्ध

शुद्ध

परिच्छा

✗

अक्षर - अक्षर

परीक्षा ✓

अनुग्रहीत

= ग + र

अनुगृहीत

= ग + र

नर्क

✗

नरक ✓

टिप्पड़ी

✗

टिप्पणी

अशुद्ध

शुद्ध

विरहणी

विरह + इणी

विरहिणी

प्रज्वलित

प्र + ज्वल + इत

प्रज्वलित

समुज्ज्वल

उपागम + मूल शब्द + प्रत्यय

समुज्ज्वल

परलौकिक

पर + उज्ज्वल

परलौकिक

पर + लोक + इक

परलौकिक

अशुद्ध

शुद्ध

02/09/2026 10:25 सुबह / A.M

निष्चेष्ट

इ

निश्चेष्ट

दुर्द्धर्ष

~~आशीर्वाद~~

ध

दुर्धर्ष

~~आशीर्वाद~~

~~आशीर्वाद~~

आशीर्वाद

~~आशीर्वाद~~

घोबिनी

घोबिनी + इन

घोबिन

अशुद्ध

शुद्ध

भगीरथी

भगीरथी

~~भुखुवड~~

भुखुवड

भुखुवड

भुखुवड

छिद्रान्वेषी

छिद्रान्वेषी

छिद्रान्वेषी

सुशूषा

सुशूषा

अशुद्ध

शुद्ध

इर्षा

कैलासि = कैलाश

ईर्ष्या ✓

उज्ज्वल

① उत् + ज्वल

उज्ज्वल

② उज् + ज्वल

दुर्वीवार

② दुर + निवार

दुर्निवार

द्वारिका

① दुः + निवार

द्वारिका

द्वारका

अशुद्ध

शुद्ध

पूज्यानीया

✗

पूज् + अनीय
ज् + अ = ज

ककारि - (क), ख ग घ, (ङ)

पूजनीय

अन्तर्धान

अन्तर् + धान → अन्तर्धान

अहिल्या

अहिल्या ✗

अन्तर् + राष्ठीय = अन्तराष्ठीय अहल्या

अहल्या

वाङ्मय

अन्तर् + गवी = अन्तर्गवी

वाङ् + गय

वाङ्मय